ज्ञान विचार

अगर नियत अच्छी होती है तो नसीब कभी भी बुरा नहीं होता

HAR/HIN/2018/77311

सच्ची व सटीक खबर-आप तक

गजब हरियाणा

हिन्दी राष्ट्रीय पाक्षिक समाचार पत्र

सम्पादक : जरनैल सिंह

छाया : राजरानी

www.gajabharyana.com | 16 जून 2025 | वर्ष - 08 | अंक - 06 | पेज-4 | मूल्य- 7 रुपए | सालाना 150/रुपए | Email: gajabharyananews@gmail.com

कुरुक्षेत्र में आयोजित हुआ भव्य समारोह

गजब हरियाणा समाचार पत्र का 7वां स्थापना दिवस और दैनिक प्रकाशन का शुभारंभ, सम्मान समारोह आयोजित

गजब हरियाणा न्यूज/डॉ जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र । 8 जून(रविवार) को कुरुक्षेत्र के सेक्टर - 8 स्थित डॉ अंबेडकर भवन में गजब हरियाणा समाचार पत्र के 7वें स्थापना दिवस का भव्य समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर दैनिक प्रकाशन का शुभारंभ भी किया गया, जो पाठकों के लिए एक नई शुरुआत और समाचार की संवर्धित उपलब्धता का प्रतीक है।

समारोह की शुरुआत बाबा साहब डॉ भीम राव अंबेडकर जी की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर की गई। यह पुष्पांजलि न केवल उनके प्रति श्रद्धांजलि था, बल्कि समारोह के महत्वपूर्ण संदेश को भी दर्शाता था कि समाज में जागरूकता और सामाजिक न्याय की भावना को बढ़ावा देना जरूरी है। इसके बाद, जहां अतिथियों ने संपादक डॉ जरनैल सिंह रंगा को गजब हरियाणा समाचार पत्र की 7 वर्ष की सफल यात्रा और दैनिक प्रकाशन के शुभारंभ पर बधाई दी। वहीं सूरजभान कटारिया पूर्व सदस्य , केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार, रामकुमार (राहुल), महीपाल फुले अमीन, सूरजभान मैहरा, राजेश्वर सहित विभिन्न समाजसेवियों ने संपादक डॉ जरनैल सिंह रंगा को पगड़ी और शॉल पहनकर सम्मानित किया।

समारोह में मुख्यातिथि के तौर पर मान्यवर एन.आर. फुले (उप आबकारी एवं कराधान आयुक्त (जीएसटी) रहे।

आशीर्वचन और आशीषवचन के रूप आशीर्वाद देने श्री 108 स्वामी वीर सिंह हितकारी महाराज रंगपुर, बुलंदशहर यूपी। और ÷ दिव्य ज्ञान रत्न÷ श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर स्वामी ज्ञाननाथ महाराज एडवोकेट पहुंचे। समारोह के चेयरमैन डॉ. आर. आर. फुलिया(आई.ए.एस ,से नि.) पूर्व अतिरिक्त मुख्य सचिव हरियाणा, ताऊ देवी लाल यूनिवर्सिटी सिरसा और गुरु जम्भेश्वर यूनिवर्सिटी हिसार रहे।

समारोह में कई अन्य विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति भी सराहनीय रही। इनमें श्री मांगे राम, डीजीएम हैफेड विभाग, सूरजभान कटारिया, पूर्व सदस्य केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार, के एस मेहरा, एजीएम स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, जय प्रकाश गुरावा, पूर्व मैनेजर रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया, जय भगवान, पूर्व मैनेजर स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, सूर्य प्रताप सिंह राठौर(जीजेपी नेता), और प्रिंसिपल रामकरण(पूर्व खंड शिक्षा अधिकारी) शामिल थे।

इन्हें किया गया 2025 सम्मान देकर सम्मानित

1.स्वामी वीर सिंह हितकारी जी महाराज,
गद्दीनशीन, श्री गुरु रविदास आश्रम रंगपुर, बुलंदशहर, यूपी
अंतर्राष्ट्रीय प्रवक्ता, अखिल भारतीय रविदासिया धर्म संगठन को - ÷शिरोमणि सतगुरु रविदास रत्न सम्मान - 2025÷

2.संत शिरोमणि, दिव्य ज्ञान रत्न, महामंडलेश्वर स्वामी ज्ञाननाथ महाराज जी,
चेयरमैन, निराकारी जागृति मिशन, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, संत सुरक्षा मिशन, भारत - मार्गदर्शक, गजब हरियाणा, समाचार पत्र

3.मान्यवर एन.आर. फुले,
डिप्टी एक्साइज एंड टैक्सेशन कमिश्नर - ÷कौम ए कोहिनूर सम्मान - 2025÷

4.डॉ. राम भक्त लांगयान
आई.ए.एस (से.नि.) - ÷हरियाणा रत्न सम्मान - 2025÷

5.मान्यवर मांगे राम सरोहा
डीजीएम (हैफेड) - ÷हरियाणा गौरव सम्मान - 2025÷

6.सूरजभान कटारिया,
पूर्व सदस्य, केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार - ÷सलाहकार÷ नियुक्ति पत्र

7.श्रीमती माफी ढांडा, चेयरपर्सन,
नगर परिषद थानेसर, कुरुक्षेत्र - ÷ वीरांगना झलकारी बाई सम्मान - 2025÷

8.रवि (सोनू) कुंडली, प्रदेश अध्यक्ष आरपीआई - ÷ सतगुरु कबीर साहब सम्मान - 2025÷

9.सूर्य प्रताप सिंह राठौड़, जजपा नेता - ÷सामाजिक समरसता सम्मान - 2025÷

10.डॉ राजवीर सिंह
पूर्व अध्यक्ष, शिक्षा विभाग
कुरुक्षेत्रा यूनिवर्सिटी , कुरुक्षेत्र - ÷सामाजिक उत्कृष्टता सम्मान -2025÷

11.मान्यवर रामकरण
बीईओ (से.नि.) - ÷ बुद्ध रतन सम्मान - 2025÷

12.के.एस. मैहरा
एजीएम(से.नि.) , स्टेट बैंक ऑफ इंडिया - सामाजिक प्रतिष्ठा सम्मान - 2025÷

13.मान्यवर जय प्रकाश गुरावा
मैनेजर(से. नि.) रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया - डॉ अंबेडकर रत्न सम्मान -2025÷

14.मान्यवर जय भगवान
मैनेजर(से. नि.), स्टेट ऑफ इंडिया , दिल्ली - ÷ डॉ अंबेडकर सेवाश्री सम्मान -2025

15.डॉ. राजविंदर कौर
रिसर्च साइंटिस्ट, अमेरिका - ÷ डॉ. अंबेडकर शिक्षा रत्न सम्मान - 2025÷

16.सतीश कुमार पाठी
अम्बाला - ÷शिरोमणि सतगुरु रविदास अमृतबाणी चेतना सम्मान - 2025÷

17.सुदेश कुमारी
चंडीगढ़ - ÷ विशिष्ट पत्रकार सम्मान - 2025

शेष पेज-2 पर

गजब हरियाणा पाक्षिक से दैनिक रूप में बदलने की ओर अग्रसर: डॉ राजरूप फुलिया

गजब हरियाणा न्यूज/सृष्टि

कुरुक्षेत्र। पूर्व अतिरिक्त मुख्य सचिव हरियाणा और ताऊ देवी लाल यूनिवर्सिटी सिरसा एवं गुरु जम्भेश्वर यूनिवर्सिटी हिसार के वाइस चांसलर रहे डॉ. आर.आर. फुलिया (आई.ए.एस, सेवानिवृत्त) ने गजब हरियाणा समाचार पत्र की सराहना की है। उन्होंने कहा कि आज के समय में जब कई प्रमुख समाचार पत्र बंद होने के कगार पर हैं, गजब हरियाणा ने लगातार 7 वर्षों से अपनी प्रभावशाली उपस्थिति बनाए रखी है। यह समाचार पत्र अब पाक्षिक से दैनिक रूप में बदलने की ओर अग्रसर है, जो इसकी गुणवत्ता और बेहतर सेवा का प्रमाण है।

डॉ. फुलिया ने कहा, ÷आज मीडिया के बिना दुनिया चल नहीं सकती। जिसके पास मीडिया नहीं है, वह अभी भी अंधेरे में जी रहा है। ÷ उन्होंने मीडिया के महत्व को समझाते हुए कहा कि आज के युग में हम फोन के माध्यम से अपने विचार साझा करते हैं और दूसरों के विचारों को भी समझते हैं, लेकिन अखबार का कार्य इससे कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। यह समाज के विकास में एक प्रमुख भूमिका निभाता है।

उन्होंने अपने सम्बोधन में उपस्थित व्यक्तियों को प्रेरित करते हुए कहा कि, ÷आज जो भी समाचार पत्र कार्य कर रहे हैं, उनके लिए हमें मिलकर सहयोग करना होगा। यदि हम सभी थोड़ा-थोड़ा सहयोग करेंगे, तो गजब हरियाणा समाचार पत्र एक बड़ा बदलाव ला सकता है।÷ उनका कहना था कि यह सहयोग शिक्षा, स्वास्थ्य, खेल, रोजगार और व्यवसाय जैसे विभिन्न क्षेत्रों में सुझाव देकर किया जा सकता है, जिससे समाज का विकास संभव होगा। डॉ. फुलिया ने गजब हरियाणा के प्रयासों की प्रशंसा की और आशा व्यक्त की कि यह समाचार पत्र समाज को सही दिशा में बढ़ाने में सफल होगा। उनका यह वक्तव्य न केवल गजब हरियाणा के प्रति समर्थन प्रकट करता है, बल्कि यह एक व्यापक संदर्भ में मीडिया की जिम्मेदारी और भूमिका को भी उजागर करता है।

गजब हरियाणा समाचार पत्र आज एक महत्वपूर्ण मंच बन चुका है, जो समाज की आवाज़ बनता हुआ आगे बढ़ रहा है। डॉ. फुलिया की बातों से यह स्पष्ट होता है कि हमें सामूहिक प्रयासों से इस दिशा में आगे बढ़ना होगा।

गजब हरियाणा समाचार पत्र के 7 वर्षों के सफर के इतिहास को स्मरण,स्मारिका में अंकित किया जाएगा। इसका लोकार्पण 26 नवंबर को किया जाएगा। 8 जून को गजब हरियाणा के स्थापना दिवस पर स्वामी वीर सिंह हितकारी महाराज, एडवोकेट कुलवंत सिंह, सूर्य प्रताप सिंह राठौड़, मान्यवर रामकरण, दिव्य ज्ञान रत्न, महामंडलेश्वर स्वामी ज्ञाननाथ महाराज जी, मान्यवर एन.आर फुले, डॉ राज रूप फुलिया, मान्यवर मांगे राम सरोहा, मान्यवर सूरजभान कटारिया, मान्यवर जय प्रकाश गुरावा, जय भगवान बौद्ध, डॉ जरनैल सिंह रंगा संपादक, फ्रंट पेज और दैनिक समाचार पत्र के प्रथम अंक का विमोचन किया गया।

गजब हरियाणा समाज की समस्याओं के समाधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा: एन.आर फुले

कुरुक्षेत्र। एन.आर. फूले, डिप्टी एक्साइज एंड टैक्सेशन कमिश्नर (जीएसटी), ने गजब हरियाणा समाचार पत्र के 7 साल के सफर को याद करते हुए मुख्यातिथि के रूप में संबोधित किया। उन्होंने साहिर लुधियानवी के शब्दों में कहा, हजार बर्फ गिरे, लाख आंधियां उठे, वो फूल खिलकर रहेंगे जो खिलना चाहेंगे, यह बताते हुए कि इस समाचार पत्र ने अपने संघर्ष और समर्पण से दैनिक समाचार पत्र के रूप में अपनी पहचान बनाई है। फूले ने समाज के मुद्दों को उजागर करने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि जैसे बाबा साहेब अंबेडकर का सपना था कि समाज को साथ लेकर चलना चाहिए, ठीक उसी तरह गजब हरियाणा भी समाज की समस्याओं के समाधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने मीडिया को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ बताते हुए निष्पक्ष पत्रकारिता की अहमियत पर प्रकाश डाला, यह कहते हुए कि जब पत्रकारिता निष्पक्ष होती है, तो जनता की राय भी सकारात्मक होती है, और इससे लोकतंत्र मजबूती से कार्य करता है।

उन्होंने जोर देते हुए कहा कि किसी समाचार पत्र को चलाना आसान कार्य नहीं है और समाज को इस दिशा में सहयोग करना चाहिए। उन्होंने सिख समाज के उदाहरण का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्हें अपनी कमाई का 10त्न हिस्सा धार्मिक संस्थाओं को देना चाहिए, वहीं अग्रसेन महाराज की परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि समाज के लोगों द्वारा बाहर से आए आगंतुकों को 1रुपया और एक ईंट भेंट दी जाती थी, जिससे वे अपने लिए व्यवसाय स्थापित करते थे।

फूले ने लोगों से अपील की कि वे गजब हरियाणा समाचार पत्र को सहयोग करें, चाहे वह आर्थिक योगदान हो या पेशेवर सहायता। उन्होंने यह भी बताया कि गजब हरियाणा समाचार पत्र, सृष्टि एजुकेशनल चैरिटेबल ट्रस्ट की सहायता से कई सामाजिक कार्य कर रहा है, जैसे होनहार बच्चों को सम्मानित करना और उन्हें शिक्षा की ओर प्रेरित करना।

फूले ने अंत में यह कामना की कि गजब हरियाणा समाचार पत्र जल्द ही नई ऊंचाइयों को छुएगा, और इसके प्रयास समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाएंगे।

स्वामी ज्ञाननाथ महाराज ने गजब हरियाणा समाचार पत्र की सराहना की

गजब हरियाणा न्यूज/डॉ जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र। दिव्य ज्ञान रत्न, श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर स्वामी ज्ञाननाथ महाराज जी ने गजब हरियाणा समाचार पत्र के समर्पण और कार्य को सराहते हुए कहा कि इसका नाम और काम दोनों गजब हैं। उन्होंने इस समाचार पत्र को सामाजिक, राजनीतिक, शैक्षणिक, स्वास्थ्य और खेल की दृष्टि से अनूठा बताते हुए इसके विभिन्न कॉलम की प्रशंसा की।

स्वामी जी ने विशेष रूप से इस बात पर जोर दिया कि गजब हरियाणा समाचार पत्र बहुजन समाज के महापुरुषों और राजनीतिक महानुभावों को प्रमुखता से स्थान देता है। उन्होंने कहा कि ÷चाहे हम किसी भी क्षेत्र में काम कर रहे हों, अध्यात्म की तरफ ध्यान देना आवश्यक है, जो इस पत्र में उत्कृष्टता से दिया गया है।

उन्हें विश्वास है कि लोकतंत्र के तीनों अंगों की निगरानी में मीडिया और प्रिंट मीडिया की अहम भूमिका है। उन्होंने वर्तमान में सोशल मीडिया के महत्व को स्वीकार किया, लेकिन प्रिंट मीडिया की जिम्मेदारी और पहचान को भी महत्व दिया। उनका मानना है कि सच्चे पत्रकार जो दैनिक समस्याओं को प्रशासन के संज्ञान में लाते हैं, समाज की सेवा में अहम भूमिका निभा रहे हैं। स्वामी जी ने बाबा साहेब अंबेडकर के उद्धरण का संदर्भ देते हुए कहा कि जब तक हमारा अपना मीडिया नहीं होगा, तब तक हमारे सच को जन-जन तक पहुँचाने में कठिनाई होगी। गजब हरियाणा समाचार पत्र के माध्यम से यह कार्य संभव हो गया है।

स्वामी ज्ञाननाथ महाराज जी ने अंत में यह भी व्यक्त किया कि उन्हें गर्व है कि उन्हें गजब हरियाणा समाचार पत्र का हिस्सा बनने का अवसर प्राप्त हुआ है। उनका यह बयान संकेत करता है कि समाचार पत्र न केवल समाचार संचार का माध्यम है, बल्कि समाज के लिए एक सशक्त प्लेटफार्म भी है।

गजब हरियाणा : सात वर्षों की यात्रा और भविष्य की नई दिशा

गजब हरियाणा समाचार पत्र का सफर सात वर्षों का सफर तय करते हुए 8 वें वर्ष में प्रवेश कर चुका है। यह केवल एक समाचार पत्र की कहानी नहीं, बल्कि एक सपने की साकारता की कथा है। सात वर्षों की इस यात्रा में हम कई उतार-चढ़ाव से गुजरे हैं, लेकिन आपके प्यार और सहयोग ने हमें हमेशा सही दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया है।

इस सफर के दौरान, जिन्होंने भी हमारे साथ सहयोग किया, उनके प्रति मेरा हृदय से आभार प्रकट करता हूँ। हरियाणा की गाथा को आपके समक्ष लाने के लिए बहुत से लोगों ने योगदान दिया है। इनमें पाठक, लेखक, पत्रकार, विज्ञापनदाता और वे सभी लोग शामिल हैं जिन्होंने आर्थिक और मनोवैज्ञानिक समर्थन दिया। आपके सहयोग के बिना, गजब हरियाणा की यह यात्रा संभव नहीं हो पाती। मैं उन सभी का कृतज्ञता पूर्वक स्वागत करता हूँ, जिनका योगदान अमूल्य रहा है।

सात वर्षों का सफर

गजब हरियाणा ने इन सात वर्षों में कई सुख-दुख और चुनौतियों का सामना किया है। हमने हरियाणा की सामाजिक, आर्थिक, और राजनीतिक समस्याओं को उजागर किया है, साथ ही उन मुद्दों पर सार्थक चर्चा का मंच प्रदान किया है, जो समाज के लिए आवश्यक हैं। हमने कई सामाजिक मुद्दों को उठाया, जो न केवल स्थानीय स्तर पर बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी ध्यान खींचने में सफल रहे हैं।

इन वर्षों में हमने निष्पक्षता और सच्चाई के साथ खबरों को प्रस्तुत किया है, जिससे हमारे पाठकों का विश्वास और बढ़ा। गजब हरियाणा का यह प्रयास हमेशा रहा है कि हम सच्चाई को उजागर करें और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का कार्य करें।

दैनिक प्रकाशन का शुभारंभ

अब, हम एक नई दिशा की ओर बढ़ रहे हैं। इस स्थापना दिवस पर गजब हरियाणा के दैनिक समाचार पत्र का शुभारंभ किया, हम सब इस बात के गवाह बने, गजब हरियाणा जल्द ही दैनिक समाचार पत्र के रूप में निरंतर आपके सामने आएगा। दैनिक प्रकाशन का यह निर्णय हमारे पाठकों की मांग और अपेक्षाओं को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। हमारी कोशिश होगी कि हम आपको रोज़ाना ताज़ा, सटीक और विश्वसनीय समाचार प्रदान करें।

इस नई पहल का उद्देश्य है हरियाणा की हर एक खबर को आपकी जानकारी में लाना, ताकि आप समाज और देश की घटनाओं पर सीधे तौर पर जानकारी रखें। हम इस प्रक्रिया को जल्द ही पूरा करने जा रहे हैं, ताकि आप रोज़ाना गजब हरियाणा के माध्यम से जानकारी हासिल कर सकें।

गजब हरियाणा केवल एक समाचार पत्र नहीं है; यह आपके विचारों, आपके सवालों और आपके सपनों का आवाज़ है। मुझे विश्वास है कि जिस तरह आपने हमें पिछले सात वर्षों में प्यार और समर्थन दिया है, उसी तरह आगे भी हमें और भी अधिक प्रोत्साहन देंगे।

हम आपके साथ मिलकर एक नई कहानी शुरू करने के लिए तत्पर हैं, जिसमें हम हरियाणा की संस्कृति, भाषा, और मूल्यों को नई ऊँचाइयों पर ले जाने का प्रयास करेंगे। हमें आपके विचारों और सुझावों की आवश्यकता है ताकि हम और भी बेहतर बन सकें। गजब हरियाणा ने अपनी सात वर्षों की यात्रा में बहुत कुछ सीखा है और हर दिन कुछ नया करने की कोशिश कर रहा है। हम आपको इस यात्रा में शामिल होने के लिए आमंत्रित करते हैं। आइए, हम मिलकर एक नई शुरुआत करें और हरियाणा को गर्वित करें।

धन्यवाद!

डॉ जरनैल सिंह रंगा
संपादक

अमृतबाणी करम बंधन में बन्ध रहियो, फल की ना तज्जियो आस।
कर्म मानुष का धर्म है, सत् भाखै रविदास।।
जय गुरुदेव

व्याख्याः इस श्लोक का अर्थ है कि हमे हमेशा अपने कर्म में लगे रहना चाहिए। संत रविदास जी कहते हैं कि हमें अपने कर्मों के साथ-साथ, इसके बदले मिलने वाले फल की आशा भी नही छोडनी चाहिए। संत रविदास इस दोहे के माध्यम से बताते हैं कि कर्म करना हमारा धर्म है तो फल पाना भी हमारा सौभाग्य है।
धन गुरदेव

गजब हरियाणा समाचार पत्र, दैनिक के सफर में एक नई शुरुआतः स्वामी वीर सिंह हितकारी

समाज के लिए एक नई उम्मीद और दिशा का प्रतीकः स्वामी वीर सिंह

गजब हरियाणा न्यूज/सृष्टि

कुरुक्षेत्र । हरि सा हीरा छाड़ के, करे आन की आस। ते नर दोजक जाएंगे, सात भाखे रविदास।

स्वामी वीर सिंह हितकारी जी ने कहा कि यह वाक्य न केवल प्रेरणा का स्रोत है, बल्कि यह हमारे समाज की वास्तविकता को भी उजागर करता है।

जब गजब हरियाणा ने अपनी यात्रा की शुरुआत की थी, तब इसकी यात्रा को लेकर अनेक संदेह और प्रश्न उठाए गए थे। आज, 7 वर्षों बाद, यह समाचार पत्र अपने पाक्षिक स्वरूप से दैनिक बनने के चरण में है, जो हमारे समाज के लिए एक नई उम्मीद और दिशा का प्रतीक है। इस दौरान, गजब हरियाणा ने देश में फैली विषमताओं का सामना करते हुए सच्चाई और निष्ठा के साथ अपनी पहचान बनाई है।

दारिद देख सबको हसै , ऐसी दशा हमारी।
अष्ट दिशा सिद्ध कर तले, सब कृपा तुम्हारी ।।÷

स्वामी ने कहा कि % सतगुरु जी के विचारों के अनुसार, जब भी कोई प्राणी समाज सेवा के लिए धरातल पर आता है, तो कई लोग उसकी मेहनत का मज़ाक उड़ाते हैं। यहां तक कि वे हमारी दरिद्रता पर भी हंसते हैं। लेकिन हमें विश्वास है कि जब हम ईश्वर पर भरोसा रखते हैं और सच्चाई की राह पर चलते हैं, तो हमें सफलता अवश्य मिलती है। गजब हरियाणा समाचार पत्र, जोकि बहुजन महापुरुषों के आदर्शों पर चलता है, ने समाज और राष्ट्र की सेवा में अपने आपको समर्पित रखा है।

÷हे प्रभु, जिसने भी तुझ पर एतबार और विश्वास किया है, तूने उनके विश्वास को ऐसे ही सदा बनाए रखा है।÷ यह पंक्ति हमें याद दिलाती है कि गजब हरियाणा समाचार पत्र ने भी अपने आदर्शों और ईश्वर की कृपा पर भरोसा रखा है। आज, जब यह दैनिक समाचार पत्र बनने जा रहा है, यह हमारे सामूहिक प्रयासों का प्रतीक है।

कबीर जी का कथन,

साहब से सब होत है, बंदे से कछु नाहीं। राई ते पर्वत करे, पर्वत ते राई नाही।÷

हमें सिखाता है कि यदि हम सरलता से किसी के हाथ को पकड़ लेते हैं तो वह हमें ऊँचाइयों तक पहुँचा सकता है। गजब हरियाणा समाचार पत्र ने अपने पाठकों को समाज के उत्थान के लिए लगातार प्रेरित किया और अपने महापुरुषों के पदचिन्हों का अनुसरण करते हुए आगे बढ़ता रहा है।

आज, जब हम समाज में जो भी बने हैं, वह सब बाबा साहब और अन्य महापुरुषों के आदर्शों का परिणाम है। अगर उनके आदर्शों से हमारा समाज सजा हुआ ना होता, तो हम आज तक यहां नहीं पहुँच पाते। गजब हरियाणा समाचार पत्र की यात्रा का यह एक महत्वपूर्ण क्षण है, जो हमें याद दिलाता है कि हमें किन मूल्यों पर चलना है।

गजब हरियाणा समाचार पत्र अपने मिशन में आगे बढ़ते हुए समाज और राष्ट्र को अपनी सेवाएँ देने का संकल्प लेता है। यह समाचार पत्र न केवल एक सूचना का माध्यम है, बल्कि यह हमारे समाज की आवाज़ भी बन चुका है। इस नए सफर की शुरुआत के लिए हमारी तरफ से ढेर सारी शुभकामनाएँ! हम सभी मिलकर सकारात्मक बदलाव लाने के लिए कृतसंकल्पित रहें।

अभी एक नई साइंस है, इकोलाजी; ओशो

अभी नई विकसित होती है। आज नहीं कल इकोलाजी जब बहुत विकसित हो जाएगी, तो कृष्ण का वचन पूरी तरह समझ में आ सकेगा। यह इकोलाजी नया विज्ञान है, जो पश्चिम में विकसित हो रहा है, क्योंकि वहां मुश्किल खड़ी हो गई, क्योंकि उन्होंने सारी की सारी प्रकृति को अस्तव्यस्त कर दिया है।

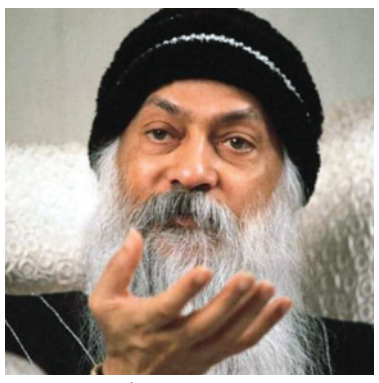

पिछली बार तिब्बत में एक गांव में ऐसा हुआ कि डी डी टी छिड़का गया। तिब्बत के ग्रामीण, उन्होंने बहुत कहा कि मत छिड़किए, मच्छर चलते हैं, कोई हर्जा नहीं; हमारे साथी हैं। और हम भी हैं, वे भी हैं। और हम सदा से साथ रह रहे हैं। ऐसी कोई ज्यादा अड़चन भी नहीं है। लेकिन एक्सपर्ट तो मान नहीं सकता! तो उसने डी डी. टी छिड़क कर सारे मच्छर मार डाले। गांव के बूढ़े प्रधान ने, लामा ने कहा भी कि भई, मच्छर तो मर जाएंगे, वह तो ठीक है। लेकिन मच्छरों के साथ, उनके मरने के साथ कोई और दिक्कत तो हमें खड़ी नहीं हो जाएगी? क्योंकि वे सदा से थे और हमारे जीवन के हिस्से थे, उनके गिरने से कहीं और ईंटें तो नहीं गिर जाएंगी? लेकिन उन्होंने कहा, क्या पागलपन की बातें करते हैं! लेकिन हुआ यही। मच्छर तो मरे सो मरे, बिल्लियां भी मर गईं। वह डी डी टी में बिल्लियां मर गईं। बिल्लियां मर गईं, तो चूहे बढ़ गए। चूहे बढ़ गए तो मलेरिया तो गांव के बाहर हुआ, प्लेग गांव के भीतर आ गई। गांव के प्रधान लामा ने कहा कि अब बड़ी मुश्किल में हमको डाल दिया! मलेरिया फिर भी ठीक था, यह प्लेग और मुसीबत है। और फिर मलेरिया से तो हम लड़ ही लेते थे, अब यह प्लेग हमारे लिए बिलकुल नई घटना है। अब इसके लिए हम क्या करें?

तो उन्होंने कहा, ठहरो; एक्सपर्ट्स ने कहा, ठहरो, हम दूसरा पाउडर लाते हैं, जिससे हम चूहों को मार डालेंगे। लेकिन उस के ने कहा, अब हम तुम्हारी न मानेंगे। क्योंकि पहले ही हमने तुमसे पूछा था कि मच्छर मर जाएं, तो कोई और दिक्कत तो न आएगी! लेकिन तुमने कहा, कोई दिक्कत न आएगी। अब हम तुमसे पूछते हैं कि अगर चूहे मर जाएं और प्लेग गांव के बाहर हो, कोई महाप्लेग गांव के भीतर आ जाए, तो जिम्मेदार कौन होगा? और अब हम तुम पर भरोसा नहीं कर सकते।

उस एक्सपर्ट ने कहा, फिर तुम क्या करोगे? तो उस बूढे आदमी ने कहा, हम पुरानी व्यवस्था फिर से निर्मित कर देंगे। कैसे करोगे? तो उसने आस–पास के गांवों से बिल्लियां उधार बुलवाई और गांव में छोड़ी। बिल्लियां आई, चूहे कम हुए, मच्छर वापस लौट आए।

इकोलाजी का मतलब है, जिंदगी एक परिवार है, उस परिवार में सब चीजें जड़ी हैं; सब संयुक्त है, एक ज्वाइंट फैमिली है। सड़क के किनारे पड़ा हुआ पत्थर भी आपकी जिंदगी का हिस्सा है। अब सारी दुनिया में हमने वृक्ष काट डाले। जब हमने वृक्ष काट डाले, तब हमको पता चला कि हम मुश्किल में पड़ गए। क्योंकि वृक्ष कट गए, तो बादल अब वर्षा नहीं करते। लेकिन हमें पहले पता नहीं था कि वृक्ष काटने से बादल वर्षा नहीं करेंगे। हमने कहा, क्या करना है! जमीन साफ करो।लेकिन वे वृक्ष बादलों को निमंत्रित करते थे। अब वे वृक्ष निमंत्रण नहीं भेजते बादलों को। अब बादल चले जाते हैं, उनको कोई रोकता नहीं।

ओशो, गीता-दर्शन%--(भाग एक)-अध्याय--3--प्रवचन 22

रवि कुंडली को सतगुरु कबीर साहेब सम्मान से नवाजा

गजब हरियाणा न्यूज/ सृष्टि

कुरुक्षेत्र । गजब हरियाणा समाचार पत्र के 7वें स्थापना दिवस पर सृष्टि एजुकेशनल चैरिटेबल ट्रस्ट ने एक भव्य समारोह का आयोजन किया। इस अवसर पर रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष, एडवोकेट रवि उर्फ सोनू कुंडली को सतगुरु कबीर साहेब के जयंती पर्व पर विशेष सम्मान से नवाजा गया। ट्रस्ट के अध्यक्ष, डॉ. जरनैल सिंह रंगा ने उन्हें सतगुरु कबीर साहेब सम्मान प्रदान किया।

समारोह में एडवोकेट रवि कुंडली ने सतगुरु कबीर साहेब जी की समानतावादी विचारधारा की प्रशंसा करते हुए कहा कि वे समता और भाईचारे के प्रतीक थे। उनका जीवन समस्त मानवता के लिए एक प्रेरणा है। उन्होंने दर्शकों को कबीर साहेब जी के सिद्धांतों पर चलने का आह्वान करते हुए कहा कि उनकी शिक्षा हमें समाज में समानता और प्रेम स्थापित करने की प्रेरणा देती हैं।

इस समारोह में कई गणमान्य अतिथियों ने भी भाग लिया, जिन्होंने सतगुरु कबीर साहेब की शिक्षाओं की महत्ता को रेखांकित किया और समाज में उनके विचारों को फैलाने की आवश्यकता पर जोर दिया। यह कार्यक्रम न केवल एक सफल आयोजन रहा, बल्कि कबीर साहेब के विचारों को आगे बढ़ाने का माध्यम भी बना।

इस मौके पर रामकुमार राहुल, गुलजार सिंह पूर्व इंस्पेक्टर, राजपाल, सूरजभान मेहरा, धर्म सिंह, महीपाल फुले, पाला राम, करनैल सिंह जगदीप, साहिल मौजूद रहे।

स्वामी गुरदीप गिरी महाराज जी का पिपली में संगत ने किया स्वागत

गजब हरियाणा न्यूज/रविंद्र

कुरुक्षेत्र । बुधवार को श्री श्री 108 स्वामी गुरदीप गिरी महाराज जी ने शुक्रताल, उत्तर प्रदेश में शिरोमणी सतगुरु रविदास महाराज जी के सत्संग में भाग लेने के बाद पठानकोट लौटते समय पिपली में संगत को दर्शन देने के लिए विशेष रूप से रुके। स्वामी जी के दर्शन का इंतज़ार कर रही संगत ने उनका भव्य स्वागत पुष्प मालाओं से किया, जिसमें नौरंग राम, राजिन्द्र सिंह, दलबीर सिंह, रामदिया, महिपाल, रामकुमार राहुल, शेर सिंह (अम्बाला) और डॉ. जरनैल रंगा शामिल थे।

स्वामी जी ने संगत को आशीर्वाद देते हुए कहा, ÷यह संगत का प्यार है जो हमें यहां खींच लाया है।÷ उन्होंने सत्संग के महत्व को समझाते हुए कहा कि यह मिलन एक आध्यात्मिक अनुभव है, जो आत्मिक समर्पण और भाईचारे को प्रोत्साहित करता है। स्वामी जी की उपस्थिति ने घटनास्थल पर उत्साह का माहौल पैदा किया, और सभी संगत ने उनके चरणों में आशीर्वाद प्राप्त किया।

इस अवसर पर स्वामी जी ने संगत के साथ अपने विचार साझा किए, जिससे उपस्थित सभी संगत में एक भव्य आध्यात्मिक वातावरण का निर्माण हुआ। स्वामी गुरदीप गिरी महाराज जी ने गुरुओं, संतों और महापुरुषों की शिक्षाओं का विशेष उल्लेख किया, जिसमें सत्य, प्रेम, और सेवा के महत्व पर गहरा प्रकाश डाला। उन्होंने सभी को आत्मिक यात्रा में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया।

विशिष्ट समाजसेवा सम्मान-2025

धर्मपाल भाटिया को ' विशिष्ट समाज सेवा सम्मान - 2025' से नवाजते हुए संपादक डॉ जरनैल सिंह रंगा, डॉ राज रूप फुलिया (पूर्व आईएएस, एवं ए.सी.एस) श्री मांगे राम सरोहा डीजीएम हैफेड, स्वामी वीर सिंह हितकारी जी, दिव्य ज्ञान रत्न ,श्री श्री 1008 स्वामी ज्ञाननाथ महाराज जी, सूरजभान कटारिया(पूर्व सदस्य केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार), मान्यवर रामकरण (पूर्व खंड शिक्षा अधिकारी)।

माता सावित्री बाई फूले सम्मान-2025

श्रीमती स्वीटी रंगा (प्रदेश अध्यक्ष, महात्मा ज्योतिबा फुले शिक्षा विकास ट्रस्ट) को ' माता सावित्री बाई सम्मान - 2025' से नवाजते हुए संपादक डॉ जरनैल सिंह रंगा, स्वामी वीर सिंह हितकारी जी, दिव्य ज्ञान रत्न ,श्री श्री 1008 स्वामी ज्ञाननाथ महाराज जी, मान्यवर एन.आर फुले (उप आबकारी एवं कराधान आयुक्त) ।

विशिष्ट समाजसेवा सम्मान-2025

रीटा सोलखे (प्रचारक अमृतबाणी को ' विशिष्ट समाज सेवा सम्मान - 2025' से नवाजते हुए संपादक डॉ जरनैल सिंह रंगा, डॉ राज रूप फुलिया (पूर्व आईएएस, एवं ए.सी.एस) श्री मांगे राम सरोहा डीजीएम हैफेड, स्वामी वीर सिंह हितकारी जी, दिव्य ज्ञान र ,श्री श्री 1008 स्वामी ज्ञाननाथ महाराज जी, सूरजभान कटारिया(पूर्व सदस्य केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार), मान्यवर रामकरण (पूर्व खंड शिक्षा अधिकारी)।

विशिष्ट समाजसेवा सम्मान-2025

डॉ रामभक्त लांगयान आई.ए.एस(से नि.) और प्रधान, डॉ अंबेडकर भवन, कुरुक्षेत्र को ' हरियाणा रत्न सम्मान - 2025 ' से नवाजते हुए संपादक डॉ जरनैल सिंह रंगा और मान्यवर लखमी चन्द रंगा पूर्व उप मंडल अधीक्षक बीएसएनएल।

विशिष्ट समाजसेवा सम्मान-2025

श्री राजकुमार तुषार (पूर्व उप जिला शिक्षा अधिकारी) को विशिष्ट समाज सेवा सम्मान - 2025 से नवाजते हुए , संपादक डॉ जरनैल सिंह रंगा, डॉ राज रूप फुलिया (आई ए एस)पूर्व अतिरिक्त मुख्य सचिव हरियाणा , श्री मांगे राम सरोहा डीजीएम हैफेड, स्वामी वीर सिंह हितकारी जी, दिव्य ज्ञान रत्न ,श्री श्री 1008 स्वामी ज्ञाननाथ महाराज जी, सूरजभान कटारिया(पूर्व सदस्य केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार), श्री रामकरण पूर्व खंड शिक्षा अधिकारी।

विशिष्ट समाजसेवा सम्मान-2025

शेर सिंह (ब्यूरो, अम्बाला) को ' विशिष्ट पत्रकार सम्मान -2025 ' से नवाजते हुए संपादक डॉ जरनैल सिंह रंगा, श्री मांगे राम सरोहा डीजीएम हैफेड, स्वामी वीर सिंह हितकारी जी, दिव्य ज्ञान रत्न ,श्री श्री 1008 स्वामी ज्ञाननाथ महाराज जी, सूरजभान कटारिया(पूर्व सदस्य केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार), जय प्रकाश गुरावा (पूर्व मैनेजर, रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया) , जय भगवान (पूर्व मैनेजर, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया) एडवोकेट कुलवंत सिंह (कानूनी सलाहकार, गजब हरियाणा)

विशिष्ट समाजसेवा सम्मान-2025

सुरेंद्र कुमार नन्हेड़ा को ' विशिष्ट समाज सेवा सम्मान - 2025' से नवाजते हुए संपादक डॉ जरनैल सिंह रंगा, डॉ राज रूप फुलिया (पूर्व आईएएस, एवं ए.सी.एस) श्री मांगे राम सरोहा डीजीएम हैफेड, स्वामी वीर सिंह हितकारी जी, दिव्य ज्ञान रत्न ,श्री श्री 1008 स्वामी ज्ञाननाथ महाराज जी, सूरजभान कटारिया(पूर्व सदस्य केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार),

गजब हरियाणा समाचार पत्र का 7वां स्थापना दिवस..... पेज 1 का शेष

18.महीपाल फुले
समाजसेवी - कॉर्डिनेटर(समन्वयक) गजब हरियाणा
19.मुकेश मैहरा, मैहरा प्रॉपर्टी पिपली, कुरुक्षेत्र - ÷ विशिष्ट पत्रकार सम्मान - 2025÷
20.श्रीमती स्वीटी रंगा
अध्यक्ष, महात्मा ज्योतिबा फुले चैरिटेबल ट्रस्ट, कुरुक्षेत्र। - ÷माता सावित्री बाई फुले सम्मान - 2025÷
21.गुलजार सिंह
इंस्पेक्टर (से.नि.) हरियाणा पुलिस, कुरुक्षेत्र - ÷ विशिष्ट समाज सेवा सम्मान - 2025÷
22.शेर सिंह, पत्रकार
अम्बाला शहर - ÷ विशिष्ट पत्रकार सम्मान - 2025÷
23.सुरेंद्र कुमार, नन्हेड़ा
अम्बाला - ÷ विशिष्ट समाज सेवा सम्मान - 2025÷
24.मान्यवर राजेश ढांडा,
जे.टी.ओ, बीएसएनएल - ÷ विशिष्ट समाज सेवा सम्मान - 2025÷
25.जोगिंद्र सिंह ग्रोवर
समाजसेवी - ÷ विशिष्ट समाज सेवा सम्मान - 2025÷
26.प्रमोद कुमार
समाजसेवी, यमुनानगर - ÷ विशिष्ट समाज सेवा सम्मान - 2025÷
27. गुरदयाल सिंह , कुरुक्षेत्र
समाजसेवी - विशिष्ट समाज सेवा सम्मान - 2025
28. अजैब सिंह नंबरदार, अम्बाला
समाजसेवी - विशिष्ट समाज सेवा सम्मान - 2025

समारोह में, सभी अतिथियों ने एकजुट होकर सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक विकास की दिशा में पत्रकारिता की अहमियत को समझाते हुए भविष्य में भी सामंजस्यपूर्ण प्रयास करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

यह समारोह न केवल गजब हरियाणा समाचार पत्र की सफलता का सार्थक प्रमाण था, बल्कि यह पत्रकारिता के प्रति समाज के समर्पण और जिम्मेदारी को भी उजागर करता है। गजब हरियाणा समाचार पत्र का दैनिक प्रकाशन समुदाय के लिए एक नई रोशनी लेकर आया है, जो आगे चलकर सूचनाओं के आदान-प्रदान का प्रमुख साधन बनेगा।

विशिष्ट समाजसेवा सम्मान-2025

श्री मुकेश मैहरा (मैहरा प्रॉपर्टीज) को विशिष्ट समाज सेवा सम्मान - 2025 से नवाजते हुए , श्री एन.आर फुले (उप आबकारी एवं कराधान आयुक्त) संपादक डॉ जरनैल सिंह रंगा, श्री मांगे राम सरोहा डीजीएम हैफेड, स्वामी वीर सिंह हितकारी जी, दिव्य ज्ञान रत्न ,श्री श्री 1008 स्वामी ज्ञाननाथ महाराज जी, सूरजभान कटारिया(पूर्व सदस्य केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार)

विशिष्ट समाजसेवा सम्मान-2025

गुलजार सिंह (पूर्व निरीक्षक, हरियाणा पुलिस) को ' विशिष्ट समाज सेवा सम्मान - 2025' से नवाजते हुए संपादक डॉ जरनैल सिंह रंगा, डॉ राज रूप फुलिया (पूर्व आईएएस, एवं ए.सी.एस) श्री मांगे राम सरोहा डीजीएम हैफेड, स्वामी वीर सिंह हितकारी जी, दिव्य ज्ञान रत्न ,श्री श्री 1008 स्वामी ज्ञाननाथ महाराज जी, सूरजभान कटारिया(पूर्व सदस्य केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार)

विशिष्ट समाजसेवा सम्मान-2025

एडवोकेट गुरप्रीत सिंह को ' विशिष्ट समाज सेवा सम्मान - 2025' से नवाजते हुए संपादक डॉ जरनैल सिंह रंगा, डॉ राज रूप फुलिया (पूर्व आईएएस, एवं ए.सी.एस) श्री मांगे राम सरोहा डीजीएम हैफेड, स्वामी वीर सिंह हितकारी जी, दिव्य ज्ञान रत्न ,श्री श्री 1008 स्वामी ज्ञाननाथ महाराज जी, सूरजभान कटारिया(पूर्व सदस्य केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार), मान्यवर रामकरण (पूर्व खंड शिक्षा अधिकारी) ।

विशिष्ट समाजसेवा सम्मान-2025

श्रीमती सुनीता को ' विशिष्ट समाज सेवा सम्मान - 2025' से नवाजते हुए संपादक डॉ जरनैल सिंह रंगा, डॉ राज रूप फुलिया (पूर्व आईएएस, एवं ए.सी.एस) श्री मांगे राम सरोहा डीजीएम हैफेड, स्वामी वीर सिंह हितकारी जी, दिव्य ज्ञान रत्न,श्री श्री 1008 स्वामी ज्ञाननाथ महाराज जी, सूरजभान कटारिया(पूर्व सदस्य केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार) ।

विशिष्ट समाजसेवा सम्मान-2025

एडवोकेट कुलवंत सिंह (कानूनी सलाहकार गजब हरियाणा) को विशिष्ट सम्मान - 2025 से नवाजते हुए संपादक डॉ जरनैल सिंह रंगा, डॉ राज रूप फुलिया (पूर्व आईएएस, एवं ए.सी.एस) श्री मांगे राम सरोहा डीजीएम हैफेड, स्वामी वीर सिंह हितकारी जी, दिव्य ज्ञान रत्न,श्री श्री 1008 स्वामी ज्ञाननाथ महाराज जी, सूरजभान कटारिया(पूर्व सदस्य केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार)।

विशिष्ट समाजसेवा सम्मान-2025

समाजसेवी बीर सिंह को ' विशिष्ट समाज सेवा सम्मान - 2025' से नवाजते हुए संपादक डॉ जरनैल सिंह रंगा, डॉ राज रूप फुलिया (पूर्व आईएएस, एवं ए.सी.एस) श्री मांगे राम सरोहा डीजीएम हैफेड, स्वामी वीर सिंह हितकारी जी, दिव्य ज्ञान रत्न,श्री श्री 1008 स्वामी ज्ञाननाथ महाराज जी, सूरजभान कटारिया(पूर्व सदस्य केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार)

डॉ. अंबेडकर शिक्षा रत्न सम्मान

डॉ राजविंदर कौर (रिसर्च साइंटिस्ट अमेरिका) का ' डॉ अंबेडकर शिक्षा रत्न सम्मान - 2025 ' उनके पिता सतपाल जी, बहन अर्चना और बहनोई शेर सिंह को सौंपते हुए, संपादक डॉ जरनैल सिंह रंगा, श्री एन.आर फुले (उप आबकारी एवं कराधान आयुक्त), श्री मांगे राम सरोहा डीजीएम हैफेड, स्वामी वीर सिंह हितकारी जी, दिव्य ज्ञान रत्न ,श्री श्री 1008 स्वामी ज्ञाननाथ महाराज जी, सूरजभान कटारिया (पूर्व सदस्य केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार)

गजब हरियाणा कोऑर्डिनेटर

मान्यवर महीपाल फुले अमीन को गजब हरियाणा का ' कॉर्डिनेटर ' नियुक्ति पत्र देते हुए संपादक डॉ जरनैल सिंह रंगा, श्री मांगे राम सरोहा डीजीएम हैफेड, मान्यवर एन.आर फुले (उप आबकारी एवं कराधान आयुक्त) स्वामी वीर सिंह हितकारी जी, दिव्य ज्ञान र ,श्री श्री 1008 स्वामी ज्ञाननाथ महाराज जी, सूरजभान कटारिया(पूर्व सदस्य केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार), जय प्रकाश गुरावा (पूर्व मैनेजर, रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया) , जय भगवान (पूर्व मैनेजर, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया) एडवोकेट कुलवंत सिंह (कानूनी सलाहकार, गजब हरियाणा)

विशिष्ट समाजसेवा सम्मान-2025

श्री राजेश कुमार ढांडा (जेटीओ, बीएसएनएल) को ' विशिष्ट समाज सेवा सम्मान - 2025' से नवाजते हुए संपादक डॉ जरनैल सिंह रंगा, डॉ राज रूप फुलिया (पूर्व आईएएस, एवं ए.सी.एस) श्री मांगे राम सरोहा डीजीएम हैफेड, स्वामी वीर सिंह हितकारी जी, दिव्य ज्ञान रत्न ,श्री श्री 1008 स्वामी ज्ञाननाथ महाराज जी, सूरजभान कटारिया(पूर्व सदस्य केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार), महीपाल फुले।

विशिष्ट समाजसेवा सम्मान -2025

मान्यवर दयानंद रंगा (पूर्व इंस्पेक्टर, आईटीबीपी) को ' विशिष्ट समाज सेवा सम्मान - 2025' से नवाजते हुए संपादक डॉ जरनैल सिंह रंगा, डॉ राज रूप फुलिया (पूर्व आईएएस, एवं ए.सी.एस) श्री मांगे राम सरोहा डीजीएम हैफेड, स्वामी वीर सिंह हितकारी जी, दिव्य ज्ञान रत्न ,श्री श्री 1008 स्वामी ज्ञाननाथ महाराज जी, सूरजभान कटारिया(पूर्व सदस्य केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार), मान्यवर रामकरण(पूर्व खंड शिक्षा अधिकारी) ।

विशिष्ट समाजसेवा सम्मान-2025

गजब हरियाणा की स्टेट हेड % सुदेश कुमारी को ' विशिष्ट पत्रकार सम्मान - 2025' से नवाजते हुए संपादक डॉ जरनैल सिंह रंगा, श्री मांगे राम सरोहा डीजीएम हैफेड, स्वामी वीर सिंह हितकारी जी, दिव्य ज्ञान रत्न, श्री श्री 1008 स्वामी ज्ञाननाथ महाराज जी, सूरजभान कटारिया (पूर्व सदस्य केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार), जय प्रकाश गुरावा (पूर्व मैनेजर, रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया) , जय भगवान (पूर्व मैनेजर, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया)

विशेष सम्मान-2025

बेटे जितेंद्र कुमार को विशेष सम्मान से नवाजते हुए , स्वामी वीर सिंह हितकारी जी, दिव्य ज्ञान रत्न,श्री श्री 1008 स्वामी ज्ञाननाथ महाराज जी, सूरजभान कटारिया(पूर्व सदस्य केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार), डॉ राज रूप फुलिया (आई ए एस)पूर्व अतिरिक्त मुख्य सचिव हरियाणा , संपादक डॉ जरनैल सिंह रंगा।

विशेष सम्मान-2025

अमित बंसल पत्रकार घरौंडा और समाजसेवी राजेंद्र गुप्ता को ' विशेष सम्मान - 2025' से नवाजते हुए संपादक डॉ जरनैल सिंह रंगा, डॉ राज रूप फुलिया (पूर्व आईएएस, एवं ए.सी.एस) श्री मांगे राम सरोहा डीजीएम हैफेड, स्वामी वीर सिंह हितकारी जी, दिव्य ज्ञान रत्न,श्री श्री 1008 स्वामी ज्ञाननाथ महाराज जी, सूरजभान कटारिया(पूर्व सदस्य केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार)।

विशेष सम्मान-2025

मान्यवर सुदर्शन कुमार ' विशेष सम्मान - 2025' से नवाजते हुए संपादक डॉ जरनैल सिंह रंगा, डॉ राज रूप फुलिया (पूर्व आईएएस, एवं ए.सी.एस), मान्यवर एन.आर फुले (उप आबकारी एवं कराधान आयुक्त) , स्वामी वीर सिंह हितकारी जी, दिव्य ज्ञान रत्न ,श्री श्री 1008 स्वामी ज्ञाननाथ महाराज जी, सूरजभान कटारिया(पूर्व सदस्य केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार)।

विशेष सम्मान-2025

जोगिंद्र सिंह को ' विशेष सम्मान - 2025' से नवाजते हुए स्वामी वीर सिंह हितकारी जी, दिव्य ज्ञान रत्न,श्री श्री 1008 स्वामी ज्ञाननाथ महाराज जी।

विशेष सम्मान-2025

प्रवीण बौद्ध ' विशेष सम्मान - 2025' से नवाजते हुए संपादक डॉ जरनैल सिंह रंगा, डॉ राज रूप फुलिया (पूर्व आईएएस, एवं ए.सी.एस) श्री मांगे राम सरोहा डीजीएम हैफेड, स्वामी वीर सिंह हितकारी जी, दिव्य ज्ञान रत्न,श्री श्री 1008 स्वामी ज्ञाननाथ महाराज जी, सूरजभान कटारिया(पूर्व सदस्य केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार)।

विशेष सम्मान-2025

राजवीर सिंह ' विशेष सम्मान - 2025' से नवाजते हुए संपादक डॉ जरनैल सिंह रंगा, डॉ राज रूप फुलिया (पूर्व आईएएस, एवं ए.सी.एस) श्री मांगे राम सरोहा डीजीएम हैफेड, स्वामी वीर सिंह हितकारी जी, दिव्य ज्ञान रत्न,श्री श्री 1008 स्वामी ज्ञाननाथ महाराज जी, सूरजभान कटारिया(पूर्व सदस्य केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार)।

विशेष सम्मान-2025

मान्यवर सतपाल, अम्बाला ' विशेष सम्मान - 2025' से नवाजते हुए संपादक डॉ जरनैल सिंह रंगा, डॉ राज रूप फुलिया (पूर्व आईएएस, एवं ए.सी.एस), मान्यवर एन.आर फुले (उप आबकारी एवं कराधान आयुक्त) , स्वामी वीर सिंह हितकारी जी, दिव्य ज्ञान रत्न ,श्री श्री 1008 स्वामी ज्ञाननाथ महाराज जी, सूरजभान कटारिया(पूर्व सदस्य केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार)।

विशेष सम्मान-2025

मान्यवर राहुल कुमार ' विशेष सम्मान - 2025' से नवाजते हुए संपादक डॉ जरनैल सिंह रंगा, डॉ राज रूप फुलिया (पूर्व आईएएस, एवं ए.सी.एस), मान्यवर एन.आर फुले (उप आबकारी एवं कराधान आयुक्त) , स्वामी वीर सिंह हितकारी जी, दिव्य ज्ञान रत्न,श्री श्री 1008 स्वामी ज्ञाननाथ महाराज जी, सूरजभान कटारिया(पूर्व सदस्य केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार)।

विशेष सम्मान-2025

अजय कुमार ' विशेष सम्मान - 2025' से नवाजते हुए संपादक डॉ जरनैल सिंह रंगा, डॉ राज रूप फुलिया (पूर्व आईएएस, एवं ए.सी.एस), मान्यवर एन.आर फुले (उप आबकारी एवं कराधान आयुक्त) , स्वामी वीर सिंह हितकारी जी, दिव्य ज्ञान रत्न,श्री श्री 1008 स्वामी ज्ञाननाथ महाराज जी, सूरजभान कटारिया(पूर्व सदस्य केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार)।

विशेष सम्मान-2025

ओमप्रकाश (पूर्व कोषाध्यक्ष हजरस) को ' विशेष सम्मान - 2025' से नवाजते हुए संपादक डॉ जरनैल सिंह रंगा, डॉ राज रूप फुलिया (पूर्व आईएएस, एवं ए.सी.एस) श्री मांगे राम सरोहा डीजीएम हैफेड, स्वामी वीर सिंह हितकारी जी, दिव्य ज्ञान रत्न,श्री श्री 1008 स्वामी ज्ञाननाथ महाराज जी, सूरजभान कटारिया(पूर्व सदस्य केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार)।

विशेष सम्मान-2025

मान्यवर सेवा सिंह ' विशेष सम्मान - 2025' से नवाजते हुए संपादक डॉ जरनैल सिंह रंगा, डॉ राज रूप फुलिया (पूर्व आईएएस, एवं ए.सी.एस), मान्यवर एन.आर फुले (उप आबकारी एवं कराधान आयुक्त) , स्वामी वीर सिंह हितकारी जी, दिव्य ज्ञान रत्न,श्री श्री 1008 स्वामी ज्ञाननाथ महाराज जी, सूरजभान कटारिया(पूर्व सदस्य केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार)।

विशेष सम्मान-2025

श्री रामचंद्र रंगा को ' विशेष सम्मान - 2025' से नवाजते हुए संपादक डॉ जरनैल सिंह रंगा, डॉ राज रूप फुलिया (पूर्व आईएएस, एवं ए.सी.एस) श्री मांगे राम सरोहा डीजीएम हैफेड, स्वामी वीर सिंह हितकारी जी, दिव्य ज्ञान रत्न,श्री श्री 1008 स्वामी ज्ञाननाथ महाराज जी, सूरजभान कटारिया(पूर्व सदस्य केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार)

विशेष सम्मान-2025

श्री राजेश्वर को ' विशेष सम्मान - 2025' से नवाजते हुए संपादक डॉ जरनैल सिंह रंगा, डॉ राज रूप फुलिया (पूर्व आईएएस, एवं ए.सी.एस) श्री मांगे राम सरोहा डीजीएम हैफेड, स्वामी वीर सिंह हितकारी जी, दिव्य ज्ञान रत्न,श्री श्री 1008 स्वामी ज्ञाननाथ महाराज जी, सूरजभान कटारिया(पूर्व सदस्य केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार)

विशेष सम्मान-2025

श्री रामनिवास (लेक्चरार) ' विशेष सम्मान - 2025' से नवाजते हुए संपादक डॉ जरनैल सिंह रंगा, डॉ राज रूप फुलिया (पूर्व आईएएस, एवं ए.सी.एस) श्री मांगे राम सरोहा डीजीएम हैफेड, स्वामी वीर सिंह हितकारी जी, दिव्य ज्ञान रत्न,श्री श्री 1008 स्वामी ज्ञाननाथ महाराज जी, सूरजभान कटारिया(पूर्व सदस्य केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय

विशेष सम्मान-2025

डॉ राकेश कुमार(डी.डी.एच) को ' विशेष सम्मान - 2025' से नवाजते हुए संपादक डॉ जरनैल सिंह रंगा, डॉ राज रूप फुलिया (पूर्व आईएएस, एवं ए.सी.एस) श्री मांगे राम सरोहा डीजीएम हैफेड, स्वामी वीर सिंह हितकारी जी, दिव्य ज्ञान रत्न, श्री श्री 1008 स्वामी ज्ञाननाथ महाराज जी, सूरजभान कटारिया(पूर्व सदस्य केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार)।

विशेष सम्मान-2025

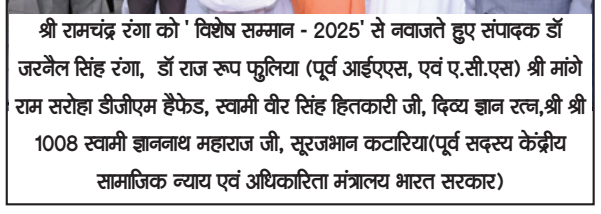

मान्यवर नौरंग राम ' विशेष सम्मान - 2025' से नवाजते हुए संपादक डॉ जरनैल सिंह रंगा, डॉ राज रूप फुलिया (पूर्व आईएएस, एवं ए.सी.एस) श्री मांगे राम सरोहा डीजीएम हैफेड, स्वामी वीर सिंह हितकारी जी, दिव्य ज्ञान रत्न,श्री श्री 1008 स्वामी ज्ञाननाथ महाराज जी, सूरजभान कटारिया(पूर्व सदस्य केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार)।

विशेष सम्मान-2025

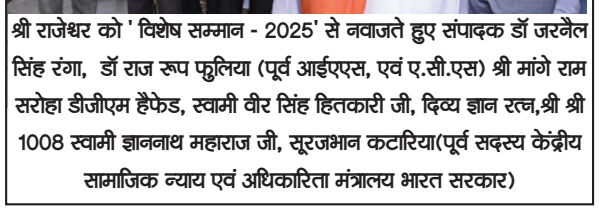

रामकुमार राहुल (सुविधा प्रॉपर्टी) ' विशेष सम्मान - 2025' से नवाजते हुए संपादक डॉ जरनैल सिंह रंगा, डॉ राज रूप फुलिया (पूर्व आईएएस, एवं ए.सी.एस) श्री मांगे राम सरोहा डीजीएम हैफेड, स्वामी वीर सिंह हितकारी जी, दिव्य ज्ञान रत्न,श्री श्री 1008 स्वामी ज्ञाननाथ महाराज जी, सूरजभान कटारिया(पूर्व सदस्य केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार)।

विशेष सम्मान-2025

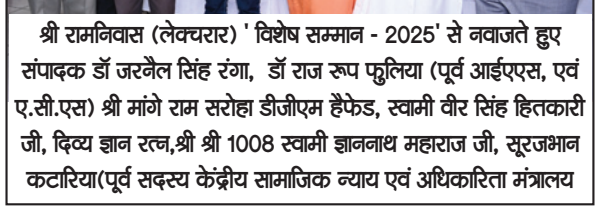

नरेंद्र कुमार पत्रकार ' को विशेष सम्मान - 2025' से नवाजते हुए संपादक डॉ जरनैल सिंह रंगा, डॉ राज रूप फुलिया (पूर्व आईएएस, एवं ए.सी.एस) श्री मांगे राम सरोहा डीजीएम हैफेड, स्वामी वीर सिंह हितकारी जी, दिव्य ज्ञान रत्न,श्री श्री 1008 स्वामी ज्ञाननाथ महाराज जी, सूरजभान कटारिया(पूर्व सदस्य केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार)।

विशेष सम्मान-2025

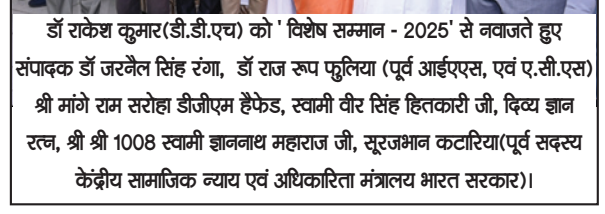

ममता देवी को ' विशेष सम्मान - 2025' से नवाजते हुए संपादक डॉ जरनैल सिंह रंगा, डॉ राज रूप फुलिया (पूर्व आईएएस, एवं ए.सी.एस) श्री मांगे राम सरोहा डीजीएम हैफेड, स्वामी वीर सिंह हितकारी जी, दिव्य ज्ञान रत्न,श्री श्री 1008 स्वामी ज्ञाननाथ महाराज जी, सूरजभान कटारिया(पूर्व सदस्य केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार)

विशेष सम्मान-2025

मान्यवर राजेंद्र कुमार' विशेष सम्मान - 2025' से नवाजते हुए संपादक डॉ जरनैल सिंह रंगा, डॉ राज रूप फुलिया (पूर्व आईएएस, एवं ए.सी.एस) श्री मांगे राम सरोहा डीजीएम हैफेड, स्वामी वीर सिंह हितकारी जी, दिव्य ज्ञान रत्न ,श्री श्री 1008 स्वामी ज्ञाननाथ महाराज जी, सूरजभान कटारिया(पूर्व सदस्य केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार)।

विशेष सम्मान-2025

मान्यवर दलबीर सिंह ' विशेष सम्मान - 2025' से नवाजते हुए संपादक डॉ जरनैल सिंह रंगा, डॉ राज रूप फुलिया (पूर्व आईएएस, एवं ए.सी.एस) श्री मांगे राम सरोहा डीजीएम हैफेड, स्वामी वीर सिंह हितकारी जी, दिव्य ज्ञान रत्न ,श्री श्री 1008 स्वामी ज्ञाननाथ महाराज जी, सूरजभान कटारिया(पूर्व सदस्य केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार)।

विशेष सम्मान-2025

पवन लोहारा ईगल प्रॉपर्टी को ' विशेष सम्मान ' देकर सम्मानित करते गजब हरियाणा के संपादक डॉ जरनैल सिंह रंगा।

विशेष सम्मान-2025

मान्यवर वीरेंद्र रॉय' विशेष सम्मान - 2025' से नवाजते हुए संपादक डॉ जरनैल सिंह रंगा, डॉ राज रूप फुलिया (पूर्व आईएएस, एवं ए.सी.एस), मान्यवर एन.आर फुले (उप आबकारी एवं कराधान आयुक्त) , स्वामी वीर सिंह हितकारी जी, दिव्य ज्ञान रत्न ,श्री श्री 1008 स्वामी ज्ञाननाथ महाराज जी, सूरजभान कटारिया(पूर्व सदस्य केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार)।

गजब हरियाणा समाचार पत्र के 7वें स्थापना दिवस सम्मान समारोह में *ग्रुप फोटो(बैठे हुए)* में श्री मांगे राम सरोहा डीजीएम हैफेड, मान्यवर एन.आर फुले (उपआबकारी एवं कराधान आयुक्त), डॉ राज रूप फुलिया (पूर्व आईएएस, एवं ए.सी.एस), दिव्य ज्ञान रत्न, श्री श्री 1008 स्वामी ज्ञाननाथ महाराज जी, स्वामी वीर सिंह हितकारी जी, सूरजभान कटारिया(पूर्व सदस्य केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार),संपादक डॉ जरनैल सिंह रंगा, के एस मैहरा (पूर्व एजीएम सीबीआई), जय भगवान (पूर्व मैनेजर एसबीआई) सुरेंद्र नन्हेड़ा।
खड़े हुएः जोगिंद्र सिंह पुंडरी, जितेन्द्र कुमार, रमेश गौतम, शक्ति अंबेडकर, डॉ राकेश कुमार, एडवोकेट गुरप्रीत सिंह, राजेश्वर, कुलवंत सिंह, महीपाल, शेर सिंह, अर्चना, करनैलो देवी, राजरानी, रीटा सोलखे, नीतू बुलंद शहर, साक्षी, सृष्टि, बिमला देवी, गीता देवी, कृष्णा देवी, सुरजीतो, सुनीता।

स्वामी वीर सिंह हितकारी जी (चेयरमैन, श्री गुरु रविदास आश्रम रंगपुर, बुलंद शहर,यूपी) को

शिरोमणि सतगुरु रविदास रत्न सम्मान–2025

से नवाजते हुए , संपादक डॉ जरनैल सिंह रंगा, श्री मांगे राम सरोहा डीजीएम हैफेड, मान्यवर एन.आर फुले (उप आबकारी एवं कराधान आयुक्त) दिव्य ज्ञान रत्न,श्री श्री 1008 स्वामी ज्ञाननाथ महाराज जी, सूरजभान कटारिया(पूर्व सदस्य केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार), जय प्रकाश गुरावा (पूर्व मैनेजर, रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया), जय भगवान (पूर्व मैनेजर, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया)।

दिव्य ज्ञान रत्न, महामंडलेश्वर स्वामी ज्ञाननाथ महाराज जी, चेयरमैन, निराकारी जागृति मिशन, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, संत सुरक्षा मिशन, भारत को

गजब हरियाणा समाचार पत्र के मार्गदर्शक

के रूप में नियुक्ति पत्र सौंपते हुए मान्यवर जय प्रकाश पूर्व मैनेजर(रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया) , डॉ जरनैल सिंह रंगा संपादक, मान्यवर मांगे राम सरोहा (डीजीएम हैफेड) , स्वामी वीर सिंह हितकारी जी(चेयरमैन श्री गुरु रविदास आश्रम रंगपुर बुलंदशहर यूपी), मान्यवर एन.आर फुले(उप आबकारी एवं कराधान आयुक्त), मान्यवर सूरजभान कटारिया (पूर्व सदस्य, केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार), डॉ राज रूप फुलिया (आई.ए.एस से.नि., पूर्व अतिरिक्त मुख्य सचिव हरियाणा, पूर्व वाइस चांसलर ताऊ देवी लाल यूनिवर्सिटी सिरसा एवं गुरु जम्भेश्वर यूनिवर्सिटी हिसार)

डॉ. राज रूप फुलिया (आई ए एस)पूर्व अतिरिक्त मुख्य सचिव हरियाणा को

विशिष्ट सम्मान – 2025

देकर सम्मानित करते श्री एन.आर फुले (उप आबकारी एवं कराधान आयुक्त), संपादक डॉ जरनैल सिंह रंगा, श्री मांगे राम सरोहा डीजीएम हैफेड, स्वामी वीर सिंह हितकारी जी, दिव्य ज्ञान रत्न, श्री श्री 1008 स्वामी ज्ञाननाथ महाराज जी,श्री सूरजभान कटारिया (पूर्व सदस्य केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार)।

श्री एन.आर फुले(उप आबकारी एवं कराधान आयुक्त) को

कौम–ए– कोहिनूर सम्मान – 2025

से नवाजते हुए , संपादक डॉ जरनैल सिंह रंगा, डॉ राज रूप फुलिया (आई ए एस)पूर्व अतिरिक्त मुख्य सचिव हरियाणा , श्री मांगे राम सरोहा डीजीएम हैफेड, स्वामी वीर सिंह हितकारी जी, दिव्य ज्ञान रत्न,श्री श्री 1008 स्वामी ज्ञाननाथ महाराज जी, सूरजभान कटारिया(पूर्व सदस्य केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार)

मान्यवर मांगे राम सरोहा (डीजीएम हैफेड) को

हरियाणा गौरव सम्मान–2025

से नवाजते हुए मान्यवर एन.आर फुले(उप आबकारी एवं कराधान आयुक्त), डॉ. जरनैल सिंह रंगा संपादक, दिव्य ज्ञान रत्न, महामंडलेश्वर स्वामी ज्ञाननाथ महाराज जी (चेयरमैन, निराकारी जागृति मिशन, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, संत सुरक्षा मिशन, भारत), डॉ स्वामी वीर सिंह हितकारी जी(चेयरमैन श्री गुरु रविदास आश्रम रंगपुर बुलंदशहर यूपी), मान्यवर सूरजभान कटारिया (पूर्व सदस्य, केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार) ।

श्री सूरजभान कटारिया (पूर्व सदस्य केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार) को

गजब हरियाणा समाचार पत्र का सलाहकार

नियुक्ति पत्र सौंपते हुए , श्री एन.आर फुले(उप आबकारी एवं कराधान आयुक्त), संपादक डॉ जरनैल सिंह रंगा, श्री मांगे राम सरोहा डीजीएम हैफेड, स्वामी वीर सिंह हितकारी जी, दिव्य ज्ञान रत्न,श्री श्री 1008 स्वामी ज्ञाननाथ महाराज जी

गजब हरियाणा समाचार पत्र के संपादक डॉ जरनैल सिंह रंगा को

सम्मानित करते मान्यवर सूरजभान कटारिया (पूर्व सदस्य, केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार), मान्यवर एन.आर फुले(उप आबकारी एवं कराधान आयुक्त), रामकुमार राहुल (सुविधा प्रॉपर्टी) , महीपाल फुले समाजसेवी, गुलजार सिंह पूर्व इंस्पेक्टर, दिव्य ज्ञान रत्न, महामंडलेश्वर स्वामी ज्ञाननाथ महाराज जी, चेयरमैन, निराकारी जागृति मिशन, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, संत सुरक्षा मिशन, भारत , मान्यवर जय प्रकाश पूर्व मैनेजर(रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया) , डॉ जरनैल सिंह रंगा संपादक, मान्यवर मांगे राम सरोहा (डीजीएम हैफेड) , स्वामी वीर सिंह हितकारी जी(चेयरमैन श्री गुरु रविदास आश्रम रंगपुर बुलंदशहर यूपी), डॉ राज रूप फुलिया (आई.ए.एस से.नि., पूर्व अतिरिक्त मुख्य सचिव हरियाणा, पूर्व वाइस चांसलर ताऊ देवी लाल यूनिवर्सिटी सिरसा एवं गुरु जम्भेश्वर यूनिवर्सिटी हिसार), राजपाल, नौरंग राम।

मान्यवर जय भगवान (पूर्व मैनेजर, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया) को

डॉ अंबेडकर सेवाश्री सम्मान–2025

से नवाजते हुए, संपादक डॉ जरनैल सिंह रंगा, श्री मांगे राम सरोहा डीजीएम हैफेड, मान्यवर एन.आर फुले (उप आबकारी एवं कराधान आयुक्त) स्वामी वीर सिंह हितकारी जी, दिव्य ज्ञान रत्न,श्री श्री 1008 स्वामी ज्ञाननाथ महाराज जी, सूरजभान कटारिया(पूर्व सदस्य केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार)।

श्री के.एस मैहरा (पूर्व एजीएम, सीबीआई) को

सामाजिक प्रतिष्ठा सम्मान–2025

से नवाजते हुए , संपादक डॉ जरनैल सिंह रंगा, श्री मांगे राम सरोहा डीजीएम हैफेड, मान्यवर एन.आर फुले (उप आबकारी एवं कराधान आयुक्त) स्वामी वीर सिंह हितकारी जी, दिव्य ज्ञान रत्न,श्री श्री 1008 स्वामी ज्ञाननाथ महाराज जी, सूरजभान कटारिया(पूर्व सदस्य केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार), मान्यवर रामकरण (पूर्व खंड शिक्षा अधिकारी)

मान्यवर जय प्रकाश गुरावा (पूर्व मैनेजर, रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया) को

डॉ अंबेडकर रत्न सम्मान – 2025

से नवाजते हुए , संपादक डॉ जरनैल सिंह रंगा, श्री मांगे राम सरोहा डीजीएम हैफेड, मान्यवर एन.आर फुले (उप आबकारी एवं कराधान आयुक्त) स्वामी वीर सिंह हितकारी जी, दिव्य ज्ञान रत्न,श्री श्री 1008 स्वामी ज्ञाननाथ महाराज जी, सूरजभान कटारिया(पूर्व सदस्य केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार)।

मान्यवर रामकरण (पूर्व खंड शिक्षा अधिकारी) को

बुद्ध रत्न सम्मान–2025

से नवाजते हुए , संपादक डॉ जरनैल सिंह रंगा, श्री मांगे राम सरोहा डीजीएम हैफेड, मान्यवर एन.आर फुले (उप आबकारी एवं कराधान आयुक्त) स्वामी वीर सिंह हितकारी जी, दिव्य ज्ञान रत्न,श्री श्री 1008 स्वामी ज्ञाननाथ महाराज जी, सूरजभान कटारिया(पूर्व सदस्य केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार), श्री के.एस मैहरा (पूर्व एजीएम एसबीआई)

मान्यवर रमेश चन्द गौतम (मुख्याध्यापक) को

विशिष्ट समाज सेवा सम्मान–2025

से नवाजते हुए संपादक डॉ जरनैल सिंह रंगा, डॉ राज रूप फुलिया (पूर्व आईएएस, एवं ए.सी.एस) श्री मांगे राम सरोहा डीजीएम हैफेड, स्वामी वीर सिंह हितकारी जी, दिव्य ज्ञान रत्न, श्री श्री 1008 स्वामी ज्ञाननाथ महाराज जी, सूरजभान कटारिया(पूर्व सदस्य केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार), मान्यवर रामकरण (पूर्व खंड शिक्षा अधिकारी)।

प्रकाशक, सम्पादक व मुद्रक जरनैल सिंह द्वारा ढिंगरा प्रिंटिंग प्रैस, अग्रसैन चौक, मोहननगर, कुरुक्षेत्र से छपवाकर कार्यालय गजब हरियाणा कोठी न.890 पी, सेक्टर- 4, अर्बन इस्टेट कुरुक्षेत्र जिला कुरुक्षेत्र, हरियाणा से प्रकाशित व मुद्रक किया।
संपादक जरनैल सिंह (9138203233) RNI No. R/HIN/2018/77311